Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 10-03-2006
Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

an>

Title : Need to sanction and release the annual funds to Rajasthan under Gadgil formula.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक समस्या की ओर सदन का दिला रहा हूं, कल बहन वसुन्धरा जी ने राजस्थान का बजट विधान सभा में रखा है।

उपाध्यक्ष महोदय **:** वह समय तो बीत गया।

श्री गिरधारी लाल भार्गव : राजस्थान की वार्षिक योजना में 195 करोड़ रुपये की कटौती कर केन्द्र सरकार ने राजस्थान के वाजिब हक में से 636 करोड़ रुपये पर रोक लगा दी है। योजना का समुचित आकार 8185.23 करोड़ रुपये है। योजना आयोग ने 8350 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी। 11वें और 12वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर वित्तीय प्रबंधन से वाजिब हक हासिल करने के बावजूद प्रदेश के 636 करोड़ रुपये केन्द्र सरकार ने रोक लिए हैं। इसलिए मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि राजस्थान को गाडगिल फार्मूले के तहत योजना आयोग की सिफारिश प्राप्त होने पर भारत सरकार द्वारा निर्णय लिया जाता है। भारत सरकार से गाडगिल-मुकर्जी फार्मूले में क्षेत्र, मरुस्थल, आधारभूत ढांचा, विकास का सूचकांक, अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत सात जमा के कम अनुपात को भी समुचित व्यय दिया जाता है। इस तरह से जो रकम राजस्थान को मिलनी चाहिए थी, वह आज तक प्राप्त नहीं हुई है।

मेरी मांग है कि केन्द्र सरकार ने जो 636 करोड़ रुपये रोक रखे हैं, वे राजस्थान को ठीक प्रकार से व्यवहार करके दिये जाएं, जिससे कि राजस्थान सरकार की जो योजनाएं बहन वसुन्धरा जी ने चला रखी हैं, राज्य सरकार उन योजनाओं को पूरा कर सके और गरीबों का भला कर सके। धन्यवाद।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Naveen Jindal, you will speak only on the incident that took place in Varanasi and not about the conduct of the proceedings of the House.